International Journal of Humanities and Social Science Research
www.socialsciencejournal.in
ISSN: 2455-2070
Received: 22-10-2021, Accepted: 07-11-2021, Published: 23-11-2021
Volume 7, Issue 6, 2021, Page No. 26-27

मध्यान्ह भोजन योजना का विद्यार्थियों के नामांकन पर प्रभाव

प्रवीण कुमार शुक्ला[1], डॉ. पतन्जलि मिश्र[2]

[1] उच्च माध्यमिक शिक्षक, शा.उ.मा.वि. निपरिया, एपीएस विश्वविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश, भारत

[2] प्राचार्य, श्याम आदर्श शिक्षा महाविद्यालय, पुरैना, एपीएस विश्वविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश, भारत

सारांश

मध्यान्ह भोजन योजना वर्तमान मे पूरे राष्ट्र के एक महत्वाकांक्षा योजना के रूप मे जानी जाती है, इस योजना के प्रभाव का शोधार्थी द्वारा रीवा जिले के सन्दर्भ के अध्ययन किया गया है। अध्ययन के मुख्य रूप से मध्यान्ह भोजन योजना का विद्यालयों में विद्यार्थियों के नामांकन पर प्रभाव देखा गया है। अध्ययन के साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग किया गया है। अध्ययन में यह पाया गया है कि मध्यान्ह भोजन योजना के कारण रीवा जिले की शासकीय शाहरी एवं ग्रामीण दोनों प्रकार की विद्यालयों के नामांकन पर बढ़ा है।

मूल शब्दः मध्यान्ह भोजन योजना, विद्यार्थियों के नामांकन

प्रस्तावना

संसार में ऐसे बहुत कम व्यक्ति है जिन्हे शिक्षा में रूचि न हो। शिक्षक, अभिभावक, विद्यालय प्रबंधक, शिक्षा मंत्री, राजनीतिज्ञ आदि सभी के मुख से प्रायः यह शब्द सुना जाता है। वर्तमान ही नही बल्कि अति प्राचीन काल से शिक्षा शब्द का प्रयोग किसी अर्थ में होता चला गया है। इसकी पुष्टि में शोधार्थी द्वारा कुछ विद्वानों के विचार निम्नानुसार प्रस्तुत किये जा रहे है।

उद्देश्य

मध्यान्ह भोजन योजना का विद्यालयों में विद्यार्थियों के नामांकन पर प्रभाव का अध्ययन

परिकल्पना

H_1: मध्यान्ह भोजन योजना के कारण ग्रामीण शासकीय शालाओं में नामांकन दर बढ़ा है।

H_2: मध्यान्ह भोजन योजना के कारण शहरी शासकीय शालाओं के नामांकन पर कोई प्रभाव नही पड़ा।

परिसीमन

शोधार्थी द्वारा निम्नानुसार परिसीमन किया गया है।

1. मध्यप्रदेश के रीवा जिले के सभी 9 विकासखण्डों की वे शालाए जहॉ प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक दोनो स्तर हो।
2. मध्यान्ह भोजन योजना लागू होने के पहले तथा लागू होने के बाद के एक–एक वर्ष का कक्षा 5वीं एवं 8वीं परीक्षा परिणाम।

अनुसंधान विधि गुड, बार तथा स्केट्स ने साहित्य के सर्वेक्षण के उद्देश्य की चर्चा करते हुए लिखा है कि यह निम्नांकित तथ्यों को स्पष्ट करता है।

उपकरण शोधार्थी द्वारा साक्षात्कार अनुसूची का निर्माण स्वयं किया गया है। इस उपकरण के माध्यम से जो प्रदत्त प्राप्त हुए हैं उनको सर्वप्रथम सारणीबद्ध किया गया है। शोधार्थी द्वारा नामांकन के संम्बंध में जो आकड़े प्राप्त किए गए हैं उन्हें निम्नानुसार सारणीबद्ध किया गया है।

विश्लेषण एवं व्याख्या

तालिका क्रमांक 1: मध्यान्ह भोजन के प्रभाव के कारण नामांकन पर प्रधानाध्यापकों की प्रतिक्रिया (शहरी क्षेत्र)

विद्यालय प्रकार	शोधार्थी के कथन	कथन पर (ग्रामीण क्षेत्र) प्रधानाध्यापकों की प्रतिक्रिया (संख्या)			कुल
		हाँ	नहीं	पता नहीं	
शहरी	क्या आपके विद्यालय में पिछले 5 वर्षो से छात्र संख्या में क्रमशः वृद्धि हुई है?	14	04	00	18

उक्त तालिका में स्पष्ट है कि शिक्षा सत्र 2018–18 से शिक्षा सत्र 2021–22 तक लगातार नामांकन में वृद्धि हुई है।

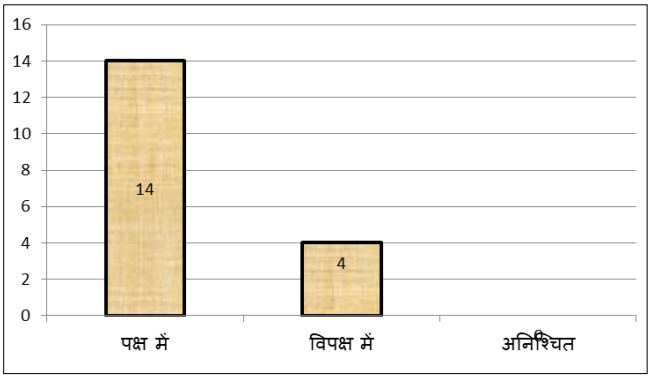

चित्र 1: मध्यान्ह भोजन के कारण नामांकन पर प्रभाव सम्बन्धी प्रधानाध्यापकों की प्रतिक्रिया (शहरी क्षेत्र)

शोधार्थी द्वारा शहरी क्षेत्र के कुल 18 विद्यालयों में प्रदत्तों का संकलन साक्षात्कार अनुसूची द्वारा किया गया है। जिनमें से 14 प्रधानाध्यापकों द्वारा यह स्वीकार किया गया है कि पिछले 5 वर्षों में लगातार जनसंख्या में वृद्धि हुई है जबकि 04 प्रधानाध्यापकों के द्वारा पिछले 5 वर्षों में जनसंख्या में बढ़त स्वीकार नहीं की गई है।

तालिका 2: मध्यान्ह भोजन का कुपोषण नियंत्रण पर प्रभाव का अध्ययन

शोधार्थी के कथन	शिक्षकों/प्रधानाध्यापक की प्रतिक्रिया (संख्या)			कुल
	हाँ	नहीं	पता नहीं	
मध्यान्ह भोजन योजना के प्रभाव से बच्चों में कुपोषण कम हुआ है	97	14	06	117

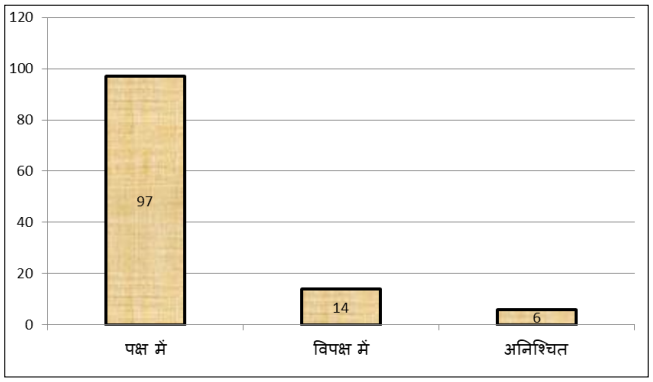

चित्र 2: मध्यान्ह भोजन का कुपोषण नियंत्रण पर शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापकों की प्रतिक्रिया

शोधार्थी द्वारा 36 प्राथमिक शिक्षक 36 माध्यमिक शिक्षक एवं 45 प्रधानाध्यापकों से उक्त सम्बंध में अवलोकन के दौरान साक्षात्कार किए गए है। इस प्रकार कुल 117 (शिक्षक+प्रधानाध्यापक) शिक्षकों से चर्चा की गई है और उक्त सारणी के अनुसार आकड़े प्राप्त हुए है। आकड़ों को उपर्युक्तानुसार सारणीबद्ध किया गया है।

शोधार्थी द्वारा मध्यान्ह योजना के प्रभाव से विद्यालयों की दैनिक उपस्थिति के सम्बंध में जो आकड़े प्राप्त हुए हैं उनका व्यवस्थापन निम्न तालिका में किया गया है।

निष्कर्ष

उक्त परिणामों के आधार पर शोधार्थी द्वारा अध्ययन के निष्कर्ष को निम्नानुसार प्रस्तुत किया गया है।

शोधार्थी द्वारा समस्या पर अध्ययन हेतु छात्रों, शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, अभिभावकों एवं शिक्षा अधिकारियों को न्यादर्श के रूप में चयनित किया गया है। शासकीय विद्यालय में नामांकन वृद्धि को सभी शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, अभिभावकों एवं शिक्षा अधिकारियों द्वारा स्वीकार किया गया है जबकि निजी विद्यालयों के नामांकन दर घटा है। अध्ययन में ग्रामीण एवं शहरी शास विद्यालयों में माध्यान्ह भोजन योजना के प्रभाव से विद्यार्थियों के नामांकन में वृद्धि परिलक्षित हुई है। इस वृद्धि को ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र के शासकीय अध्यापकों एवं प्रधानाध्यापकों एवं अभिभावकों द्वारा स्वीकार किया गया है।

मध्यान्ह भोजन योजना के कारण विद्यार्थियों में कुपोषण की कमी को भी शासकीय प्रधानाध्यापकों एवं अध्यापकों द्वारा स्वीकार किया गया है। कुपोषण दूर करने की दिशा में यह योजना बरदान सिद्ध हुई है। साथ ही शासकीय विद्यालयों में बच्चों की दैनिक उपस्थिति में भी वृद्धि हुई है। मध्यान्ह भोजन योजना के कारण बच्चे विद्यालय में ज्यादा उपस्थित हो रहे है। जिस दिन मध्यान्ह भोजन नही बनता हैं इस बात की सूचना यदि बच्चे पूर्व में पा जाते हैं तो उस सम्बधित दिन को विद्यालय नही आते है ऐसा अध्ययन में परिलक्षित हुआ है। मध्यान्ह भोजन योजना के कारण शासकीय विद्यालय में बच्चे खुश और उत्साहित रहते है। फलस्वरूप इस योजना के भविष्य में आगे भी जारी रखने की शिफारिश अध्यापकों, प्रधानाध्यापकों अभिभावकों एवं शिक्षाधिकारियों द्वारा की गई है।

जहाँ पर बच्चों में शैक्षिक उपलब्धि का प्रश्न है वहाँ ऐसा परिणाम दृष्टिगोचर नही हुआ है कि मध्यान्ह भोजन के कारण शैक्षिक उपलब्धि बढी न हो। किन्तु मध्यान्ह भोजन योजना के प्रति शिक्षकों, प्रधानाचार्यों, अभिभावकों एवं शिक्षाधिकारियों सहित बच्चों का भी दृष्टिकोण सकारात्मक पाया गया है। अध्ययन और सर्वेक्षण में पाया गया है कि परिसीमित क्षेत्र (रीवा जिला) में मध्यान्ह भोजन योजना के क्रियान्वयन में पूरी तरह से गम्भीर है। कुल मिलाकर निष्कर्ष यह है कि बच्चे निश्चित रूप से इस योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। योजना के बंद होने से इसके ज्यादातर दुष्परिणाम ही सामने आ सकते है।

संदर्भ सूची

1. कपिल, एच.के. (1985) ''अनुसंधान विधिया'' अगरा भार्गव प्रकाशन
2. शर्मा, आर.ए. (1992) ''शिक्षा तकनीकी'' मेरठ, लायल बुक डिपो
3. रानी, आशा (2017), ''मध्यान्ह भोजन योजना योजना एक अवलोकन'' श्रृंखला एक शोध परक वैचारिक पत्रिका, टवस छवण् 4ए इश्यू–5 जनवरी 2017 पेज 47–53
4. मध्यान्ह भोजन योजना (2004) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।